(32)

(31)

जनपद बागेश्वर में कमेड़ीदेवी– रयाकोट मोटर मार्ग के 10 कि0मी0 के सड़क संरेखण की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या ।

1 प्रस्तावना

प्रान्तीय खण्ड लो0नि0विभाग, बागेश्वर द्वारा कमेड़ीदेवी– रयाकोट मोटर मार्ग के [illegible] कि0मी0 मार्ग का कटान प्रस्तावित है । अधिशासी अभियंता के अनुरोध पर स्थल का निरीक्षण दिनांक 27 0[illegible] 2006 को श्री [illegible], अधिशासी अभियन्ता एवं श्री पी.एन.प्रसाद सहायक अभियंता एवं श्री [illegible] सिंह बोरा, [illegible] अभियन्ता के साथ अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया गया । स्थल का निरीक्षण, स्थल संरचना व [illegible] भूगर्भीय एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों के अध्ययन हेतु किया गया ताकि इस मोटर मार्ग के निर्माण हेतु आवश्यक सुझाव दिया जा सके । (चित्र 1–2)।

2 स्थिति

1 यह संरेखण स्थल [illegible]– बागेश्वर– बैजनाथ मोटर मार्ग के कि0मी0 58 में कमेड़ीदेवी नामक स्थान से प्रारम्भ होता है। (चित्र – 1)

2 भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार कमेड़ीदेवी अक्षांश तथा देशान्तर पर स्थित है ।

3 भूगर्भीय स्थिति

यह सड़क संरेखण कुमायूँ लेसर हिमालय के अन्तर्गत अल्मोड़ा वर्ग के ग्रेनाईट एवं [illegible] वर्ग के नाईस– शिष्ट फार्मेशन में फैला हुआ है । स्थल क्षेत्र में भूरे रंग के [illegible] एवं मोटे [illegible] नाईसिक एवं शिष्ट चट्टानें तीन प्रकार के ज्वाइन्ट से पूर्ण पूर्वोत्तर दिशा के झुकाव के साथ विद्यमान है । इस संरेखण स्थल में चट्टानों में किया गया अध्ययन निम्नवत् है।

1– 70 260 / पूर्वोत्तर / 35 डिग्री नति
2– 70 250 / पूर्वोत्तर / 37 „ नति
3– 70 250 / पूर्वोत्तर / 39 „ नति
4 25 205 / दक्षिण पूर्व / 78 „ नति
5 25 205 दक्षिण पूर्व / 81 „ नति
6 25 205 दक्षिण पूर्व / 63 „ नति
7– 30 270 दक्षिण पश्चिम / [illegible] „ नति
8 30 270 / दक्षिण पश्चिम / [illegible] „ नति
9 [illegible]

चट्टानों के ऊपर डेब्रिस तथा उसके ऊपर मिट्टी की पर्त विद्यमान है। टेक्टोनिक क्रम [illegible] है

घास आदि

मिट्टी की महीन परत

डेब्रिस

शिस्ट

नाईस

क्वार्टजेन

शिस्ट

नाईस

चट्टान

शिस्ट चट्टानों के बीच में क्वार्टजेन सफेद रंग की विद्यमान है । चट्टानों के ऊपर घास आदि विद्यमान है । इस सम्पूर्ण संरेखण में पहाड़ी ढलान सामान्य से मध्यम पश्चिमोत्तर तथा पूर्वोत्तर दिशा को है ।

4— स्थल वर्णन

यह सम्पूर्ण संरेखण बैजनाथ- बागेश्वर- बेरीनाग मोटर मार्ग के कि०मी० 58 से स्याकोट ग्राम के बीच 10 कि०मी० लम्बाई में फैला हुआ है। यह संरेखण कमेड़ीदेवी से प्रारम्भ हो करके लगभग 100 मीटर पश्चिमोत्तर दिशा को जाकर पुन: पूर्वोत्तर दिशा की ओर घूम कर पुनः पूर्वोत्तर दिशा की ओर कि०मी० [illegible] तक जाता है। कि०मी० 3 के बाद संरेखण दक्षिण पूर्व दिशा की ओर कि०मी० 10 के अंत तक पूर्वोत्तर दिशा के पहाड़ी ढलान के साथ जाता है। कि०मी० 1 में कमेड़ीदेवी कि०मी० 2 में [illegible] कि०मी० 3 में [illegible] तथा [illegible], कि०मी० 4 व 5 में जाखनी, कि०मी० 6 में हनुमान मंदिर, कि०मी० 7 में [illegible], कि०मी० 8 में पातल, कि०मी० 9 में गहरुड़ी ग्राम विद्यमान है।

इस सम्पूर्ण संरेखण में प्रारम्भ का कुछ भाग छोड़ कर शेष भाग नाप भूमि से होकर गुजरता है। प्रारम्भ में यह संरेखण नाईसिक [illegible] भाग से गुजरता है। नापभूमि में खेतों के नीचे चट्टानें विद्यमान है। कि०मी० 6 में भी नाईसिक चट्टानें स्पष्ट दृष्टिगोचर है। इस संरेखण में कई सूखे नाले विद्यमान है जिनको यह संरेखण पार करता है। कि०मी० 6 में भी एक चौड़ा सूखा नाला विद्यमान है। इस संरेखण के नाप भूमि वाले भाग में कोई भी वृक्ष नहीं आते है। इस संरेखण में कोई भी भूस्खलन क्षेत्र नहीं है। इस संरेखण में कोई भी [illegible] नाला नहीं है। इस संरेखण के कि०मी०

ण में एक इन्टर कालेज तथा कई प्राइमरी पाठशालायें भी विद्यमान है। इस मोटर मार्ग के निर्माण हेतु दो सर्वेक्षण स्थल का [illegible] गया जिसमें से द्वितीय सर्वेक्षण स्थल को पर्यावरणीय दृष्टिकोण जिसमें [illegible] के कारण अनुचित एवं अनुपयुक्त पाते हुए चयनित नही किया है। प्रथम सर्वेक्षण स्थल को भूगर्भीय एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से एवं स्थायित्व के विचार से उपयुक्त एवं उचित पाते हुए चयनित किया गया है जिसका ऊपर वर्णन किया जा चुका है।

5 स्थायित्व का विचार

इस सम्पूर्ण सर्वेक्षण स्थल की स्थल संरचना व बनावट, स्थल वर्णन, भूगर्भीय, भूकम्पीय, भूजलीय एवं पर्यावरणीय आदि परिस्थितियों को देखते हुए इस सम्पूर्ण स्थल में मोटर मार्ग निर्माण हेतु निम्न बिन्दुओं पर विचार करना आवश्यक है:-

(1) यह पर्वतीय क्षेत्र में है।

(2) यह भूकम्पीय क्षेत्र में है।

(3) पर्यावरण का ध्यान रखा जाय।

(4) इस सर्वेक्षण का लगभग 90 प्रतिशत भाग नाप भूमि से शेष राज्य भूमि से गुजरता है।

(5) इस सर्वेक्षण में कई ग्राम आते है।

(6) इस सर्वेक्षण में एक इन्टर कालेज तथा कई प्राइमरी पाठशालायें विद्यमान है।

(7) इस सर्वेक्षण की नाप भूमि में पहाड़ी ढलान सामान्य स्थिति में है जबकि राज्य भूमि में मध्यम स्थिति में है।

(8) इस सर्वेक्षण में कई सूखे नाले विद्यमान है।

(9) इस सर्वेक्षण में कोई भी पेरिनियल नाला विद्यमान नहीं है।

(10) इस सर्वेक्षण में कोई भी भूस्खलन क्षेत्र नहीं है।

6 सुझाव

इस सम्पूर्ण सर्वेक्षण स्थल की स्थल संरचना व बनावट, स्थल वर्णन, स्थायित्व का विचार, भूगर्भीय, भूकम्पीय, भूजलीय एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों आदि को देखते हुए इस भाग में मोटर मार्ग निर्माण हेतु निम्न सुझाव दिये जाते है -

(1) सूखे नालों पर स्कपर/ डबल स्कपर/ कल्वर्ट/ कॉजवे का निर्माण किया जाय।

(2) पहाड़ी की ओर नाली का निर्माण किया जाय।

(3) मलबे / मिट्टी/ डेब्रिस वाले भाग में आवश्यकतानुसार ब्रेस्ट/ रिटेनिंग वाल का निर्माण किया जाय।

(4) नाप वाले भाग में विस्फोटक सामग्री का प्रयोग न किया जाय।

(5) छोटे सूखे नालों पर पुल/ पुलिया का निर्माण किया जाय।

(v) [illegible] भाग में मोटर मार्ग के बाह्य भाग को ऊँचा रखा जाय ताकि वर्षा के दिनों में [illegible] भाग को पार न करने पाये जिससे मार्ग सुरक्षित बना रहे।

(vi) [illegible] भाग में आवश्यकतानुसार ब्रेस्ट / रिटेनिंगवाल का निर्माण किया जाय।

(vii) [illegible] में आने वाले मोटर मार्गों के मानकों के अनुसार उपाय किये जायें।

(viii) [illegible] को ध्यान में रख कर मोटर मार्ग का निर्माण किया जाय।

(ix) [illegible] के अनुरूप उपाय किया जाय ।

(x) अन्य [illegible] उपाय जो आवश्यक हो, किये जायें।

7 निष्कर्ष

उपरोक्त वर्णित बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए इस संरेखण में मोटर मार्ग निर्माण [illegible] एवं [illegible] प्रतीत होता है ।

2.8.2005

(मणि कणिका मिश्र)
भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभियंता,कुमायूं क्षेत्र
लो०नि०विभाग,अल्मोड़ा

[illegible] किया जाता है कि मोटर मार्ग निर्माण के [illegible] को [illegible] किया जा सकेगा।

सहायक अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो० नि० वि०
[illegible]

अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीयखण्ड, लो० नि० विभाग
[illegible]

[illegible]
[illegible] लो०नि०वि०
[illegible]